

प्रेषक,

प्रदीप कुमार शुक्ल,
अनु सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
(हरिद्वार एवं पौड़ी गढ़वाल को छोड़कर),
उत्तराखण्ड।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास अनुभाग

देहरादून: दिनांक 27 फरवरी, 2015

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2014-15 में जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण में कार्यरत
कार्मिकों के वेतन भुगतान हेतु धनावंटन की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावों के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपदों में गठित जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण में कार्यरत कार्मिकों के वेतन भुगतान हेतु (संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार) अनुदान संख्या-06 के अंतर्गत "08-जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण की मानक मद-03-महंगाई भत्ता" मद से ₹ 20.49 लाख (₹ बीस लाख, उन्चास हजार मात्र) की धनराशि पुनर्विनियोग के माध्यम से जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण मद में जैसाकि संलग्नक (BM-9) में उल्लिखित है, डालें जाने तथा आहरण एवं व्यय की स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं:-

- 1- आवंटित की जा रही धनराशि का व्यय स्वीकृत मदों में ही किया जायेगा, धनराशि का आहरण किये जाने से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा। धनराशि का गलत उपयोग होने पर संबन्धित जिलाधिकारी का उत्तरदायित्व होगा।
- 2- स्वीकृत धनराशि का आहरण व व्यय मासिक आधार पर किस्तों में वास्तविक व्यय आवश्यकतानुसार किया जायेगा। अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि नहीं किया जायेगा।
- 3- उक्त स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग कर उसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति एवं मदवार व्यय विवरण उपलब्ध कराया जाए। यदि वर्षान्त पर कोई धनराशि अवशेष रहती है तो शासन को समर्पित कर दी जायेगी।
- 4- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों एवं मितव्यता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2015 तक उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 6- इस संबन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-08-जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के अंतर्गत मानक मद संख्या-01-वेतन के नामें डाला जायेगा।
- 7- यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अ0शा0 संख्या-113 P/XXVII(5)/2014-15, दिनांक 26 फरवरी, 2015 में दी गयी सहमति के आधार पर निर्गत किया गया है।
संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(प्रदीप कुमार शुक्ल)


अनु सचिव

संख्या-366(1)/XVIII-(2)/15-3(1)/2011, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी)ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी गढ़वाल एवं कुमाऊँ मण्डल नैनीताल।
- 3- अपर सचिव/वित्त एवं व्यय अनुभाग।
- 4- समस्त कोषाधिकारी (हरिद्वार एवं पौड़ी गढ़वाल को छोड़कर), उत्तराखण्ड।
- 5- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- बजट अधिकारी, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 8- प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- अधिशासी निदेशक, डी.एम.एम.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- वित्त अनुभाग-5
- 11- धन आवंटन संबंधी पत्रावली।
- 12- गार्ड फाइल।


आज्ञा से,


(प्रदीप कुमार शुक्ल)
अनु सचिव

शासनादेश संख्या-366/XVIII-(2)/15-3(1)/2011, दिनांक 27 फरवरी, 2014 का संलग्नक

क्र.सं.	जनपद	स्वीकृत धनराशि (₹ लाख में)
1	देहरादून	2.00
2	उत्तरकाशी	0.50
3	टिहरी गढ़वाल	2.40
4	रूद्रप्रयाग	3.50
5	चमोली	2.00
6	नैनीताल	0.45
7	अल्मोड़ा	3.00
8	उधमसिंहनगर	1.88
9	बागेश्वर	1.25
10	पिथौरागढ़	2.70
11	चम्पावत	0.81
	कुल योग	20.49

(₹ बीस लाख, उन्चास हजार मात्र)


(प्रदीप कुमार शुक्ल)
अनु सचिव

उत्तराखण्ड शासन
(वित्तीय वर्ष 2014-2015)

बी. एम. - 09

अनुदान संख्या - 006
पुनर्विनियोग स्वीकृति आदेश संख्या - 366/XVIII-(2)/15-3(1)/201

बजट संख्या - R1502060169
दिनांक - 21-Feb-2015

क्रम संख्या	बजट प्राविधान तथा लेखाशेषिक (1)	मानक प्रद्वारक व्यापक (2)	वित्तीय वर्ष के आवधिक अनुमानित व्यय (3)	अवशेष सरलतः समायोजित धनराशी (4)	लेखाशेषिक जिसमें धनराशी स्थानान्तरित की जाती है (5)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ -5 की कुल धनराशी (6)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ -1 में कुल धनराशी	अभिव्यक्ति
2245 प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत 80 सामान्य 800 अन्य व्यय 08 जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण 00 जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (Plan Voted)								
1 03 - महंगाई भत्ता	5198000	0	3149000	2049000	01 - वेतन	2049000	8049000	3149000
योग				2049000	योग	2049000		

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट में कुल के परिच्छेद 133, 134 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।
पुनर्विनियोग किये जाने हेतु प्रपत्र 09 की मूल प्रति वित्तीय डाटा शेप्टर 23- लक्ष्मी रोड डालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी

यू0ओ0 संख्या- 366 /XVIII-(2)/2015-03(1)/2011, देहरादून दिनांक :

सेवा में,

महालेखाकार (ए एण्ड ई)
उत्तराखण्ड, देहरादून।

(प्रदीप कुमार शुक्ल)
अनु सचिव
आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास

(अरुणेंद्र सिंह चौहान)
अपर सचिव (वित्त)
उत्तराखण्ड शासन